



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1170।

No. 1170।

नई दिल्ली, बहस्पतिवार, अप्रैल 27, 2017/वैशाख 7, 1939
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 27, 2017/VAISAKHA 7, 1939

प्रत परिवहन मंत्रालय

(पत्रन संख्या)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2017

का.आ. 1320(अ).—महापतेन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 2 के खंड (अ) के माथ पठित मामलीय पत्रम् अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की शारा 5 की उपशारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के पूर्व के पांच परिवहन, सड़क परिवहन और संज्ञार्थ मंत्रालय की दिनांक 26 अक्टूबर, 2006 की सं. जी.प्र.आर. सं. 672 (अ) के द्वारा जारी अधिसूचना के अधिकाराण में, ऐसे अधिकाराण में पूर्व की गई अधिवालोप की गई चीजों को छोड़कर केवल सरकार प्रतद्वारा घोषित करती है कि मुंबई पत्रन की मीमांग इस प्रकार से होती है।

उत्तर में:-

ट्रॉन्वे गांव के निकट और दक्षिण-पश्चिम मीमा-स्तंभ में ट्रॉन्वे दीप के तट से पिर पाउ तक, वहाँ से ट्रॉन्वे दीप के तट से अनिक गांव में सर्वेश्वर मंडप 42 में अवस्थित मीमा स्तंभ तक और वहाँ से माहूल गांव की मंकरी खाड़ी के पार चांदनी नाम की मंकरी खाड़ी के दक्षिण तट पर अवस्थित मीमा-स्तंभ तक।

परिचय में:-

चांदनी नाम की मंकरी खाड़ी के दक्षिणी तट पर अवस्थित मीमा-स्तंभ से मुंबई दीप के पूर्वी तट से बोलावा खाड़ी के दक्षिणी चरण चिन्दु तक, वहाँ से पश्च खाड़ी के तट से माहूल गांव चिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश $18^{\circ}56.3'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}45.9'$ पूर्व में से के चिन्दु तक खिर्भी गड़ेरा तक, वहाँ से अक्षांश $18^{\circ}57'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}44'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, वहाँ से अक्षांश $18^{\circ}57'$ उत्तर, देशांतर तक एक चिन्दु तक, वहाँ के पक्के अक्षांश $18^{\circ}55'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}37'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, वहाँ से $18^{\circ}55'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}37'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, वहाँ के पक्के अक्षांश $18^{\circ}55'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}37'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, वहाँ के पक्के अक्षांश $18^{\circ}48.8'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}40.9'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, वहाँ में अक्षांश $18^{\circ}47.7'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}41'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, वहाँ के पक्के अक्षांश $18^{\circ}45.4'$ उत्तर, देशांतर $72^{\circ}45.4'$ पूर्व में एक चिन्दु तक, और जान्हाजी आये दीप के पश्चिम चिन्दु पर मीमा स्तंभ तक। नामक नाम के उसके दक्षिण चिन्दु पर मीमा स्तंभ तक।

दक्षिण में:-

कुन्डी के दक्षिण चिन्दु से होकर कुन्डी (कनी) के दक्षिण चिन्दु पर मीमा-स्तंभ से नवगाम (नवरात्र नवगाव) नामक नाम के दक्षिण में मुख्य भूमि पर मीमा-स्तंभ तक, खीरी गई रखा।